आचार्य कृपलानी

हाल ही में प्रधानमंत्री ने **आचार्य कृपलानी को उनकी जयंती** पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

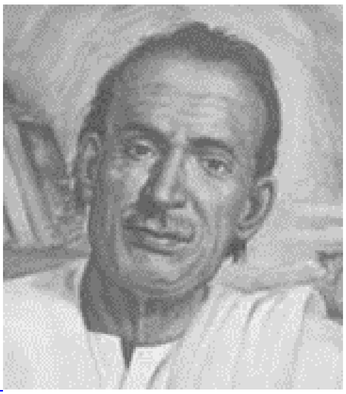

//

आचार्य कृपलानी:

- **परिचय:**
  - उनका जन्म **11 नवंबर,1888 को सिंध (हैदराबाद)** में हुआ था।
  - उनका मूल नाम **जीवतराम भगवानदास कृपलानी** था, लेकिन उन्हें आचार्य कृपलानी के नाम से जाना जाता था। वह एक**स्वतंत्रता सेनानी, भारतीय राजनीतिज्ञ** और **शिक्षाविद्** थे।
- **शिक्षाविद्:**
  - वर्ष 1912 से 1927 तक उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में पूरी तरह से शामिल होने से पूर्व विभिन्न स्थानों पर अध्यापन का कार्य किया।
  - वर्ष 1922 के आसपास जब वे महात्मा गांधी द्वारा स्थापित गुजरात विद्यापीठ में अध्यापन कार्य कर रहे थे, तब उन्हें **'आचार्य' उपनाम** प्राप्त हुआ।
- **पर्यावरणविद्:**
  - कृपलानी जी विनोबा भावे के साथ 1970 के दशक में पर्यावरण के संरक्षण एवं बचाव गतिविधियों में शामिल रहे।
- **स्वतंत्रता सेनानी:**
  - वह असहयोग आंदोलन (1920-22) और **सविनय अवज्ञा आंदोलन** (1930 में शुरू) तथा भारत छोड़ो आंदोलन (1942) का हिस्सा रहे।
  - **स्वतंत्रता के समय वे भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस (INC) के अध्यक्ष** थे। उन्होंने भारत की अंतरिम सरकार (1946-1947) और भारत की संविधान सभा में योगदान दिया।
- **राजनीतिक जीवन:**
  - आज़ादी के बाद कॉन्ग्रेस छोड़कर वह **किसान मज़दूर प्रजा पार्टी (KMPP) के संस्थापकों** में से एक बन गए।
  - वह **1952, 1957, 1963 और 1967 में प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के सदस्य** के रूप में लोकसभा के लिये चुने गए।
  - उन्होंने **भारत-चीन युद्ध (1962)** के तुरंत बाद **वर्ष 1963 में लोकसभा में पहली बार** अविश्वास प्रस्ताव **पेश** किया।
    - **वर्ष 1963** में कॉन्ग्रेसी नेता **सुचेता कृपलानी, उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री** बनीं, जो **देश की प्रथम महिला मुख्यमंत्री थीं**, जबकि उनके पति आचार्य कृपलानी कॉन्ग्रेस के विरोधी बने रहे।
  - वह **नेहरू की नीतियों और इंदिरा गांधी के शासन के आलोचक** थे। उन्हें **आपातकाल (1975) के दौरान गिरफ्तार** कर लिया गया।
- **पुस्तकें:**
  - उनकी आत्मकथा **'माई टाइम्स' (My Times)** वर्ष 2004 में मरणोपरांत प्रकाशित हुई।
  - कृपलानी, **गांधी: हिज़ लाइफ एंड थॉट (1970)** सहित कई पुस्तकों के लेखक थे।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/acharya-kripalani